

दर्शनशास्त्र MAPH

MAPH-01 भारतीय दर्शन

खण्ड-01 वेद और उपनिषद्

- इकाई-1 वेद का परिचय
- इकाई-2 वेदों की अपौरुषेयता
- इकाई-3 उपनिषद् में जगत
- इकाई-4 जीव की अवस्थाएं

खण्ड-2 चार्वाक दर्शन

- इकाई-1 ज्ञान मीमांसा
- इकाई-2 तत्त्व मीमांसा
- इकाई-3 आचार मीमांसा

खण्ड-3 जैन दर्शन

- इकाई-1 अनेकान्त एवं द्रव्य का सिद्धान्त
- इकाई-2 स्यादवाद एवं सप्तभंगी नय
- इकाई-3 विकासवाद
- इकाई-4 बंधन एवं मोक्ष का सिद्धान्त

खण्ड-4 बौद्ध दर्शन

- इकाई-1 बौद्ध दर्शन के विभिन्न संप्रदाय
- इकाई-2 प्रतीत्य समुत्पाद का सिद्धान्त
- इकाई-3 क्षणिकवाद तथा अनात्मवाद का सिद्धान्त
- इकाई-4 निर्वाण एवं बोधिसत्व का सिद्धान्त

खण्ड-5 सांख्य दर्शन एवं योग दर्शन

- इकाई-1 सत्कार्यवाद का सिद्धान्त
- इकाई-2 प्रकृति एवं पुरुष
- इकाई-3 विकासवाद
- इकाई-4 त्रिविध दुःख एवं मुक्ति सिद्धान्त
- इकाई-5 चित्त एवं चिन्त
- इकाई-6 अष्टांग योग एवं समाधि

खण्ड-6 न्याय दर्शन एवं वैशेषिक दर्शन

- इकाई-1 न्याय प्रभा एवं प्रमाण विचार
- इकाई-2 अनुमान
- इकाई-3 ईश्वर
- इकाई-4 पदार्थ
- इकाई-5 परमाणुवाद

खण्ड-7 पूर्वमीमांसा दर्शन

- इकाई-1 धर्म एवं अदृष्ट
- इकाई-2 प्रामाण्यवाद एवं ख्यातिवाद
- इकाई-3 प्रमाण मीमांसा
- इकाई-4 ख्यातिवाद

खण्ड-8 शंकराचार्य एवं रामानुज

- इकाई—1 मायावाद
- इकाई—2 जगत एवं जीव
- इकाई—3 प्रमाण विचार
- इकाई—4 आत्मा एवं जीव
- इकाई—5 मोक्ष

MAPH-02 पाश्चात्य दर्शन

खण्ड—01 प्रारंभिक ग्रीक दर्शन की समस्याएं

- इकाई—1 थेल्स एनेक्सीमीटर, एनेक्सीमनीज
- इकाई—2 पाइथागोरस का दर्शन
- इकाई—3 परिवर्तन एवं नित्यता की समस्या
- इकाई—4 हेराक्लाइट्स, पर्मेनाइडीज एवं जेनो
- इकाई—5 ग्रीण अणुवाद एनेक्सेगोरस, डेमाक्रेट्स
- इकाई—6 सोफिस्ट का ज्ञान सिद्धान्त

खण्ड—2 सुकरात

- इकाई—1 सुकरात की समस्या
- इकाई—2 सुकरात की विधि
- इकाई—3 नीतिशास्त्र
- इकाई—4 ज्ञान एवं सदगुण

खण्ड—3 प्लेटो का दर्शन

- इकाई—1 ज्ञान सिद्धान्त
- इकाई—2 द्वन्द्ववाद, प्रत्यय का सिद्धान्त
- इकाई—3 शुभ का प्रत्यय
- इकाई—4 आत्मा की अमरता

खण्ड—4 अरस्तु का दर्शन

- इकाई—1 अरस्तु द्वारा प्लेटो की आलोचना
- इकाई—2 कारणता की अवधारणा
- इकाई—3 आकार एवं द्रव्य का सिद्धान्त
- इकाई—4 स्वर्णिम माध्य

खण्ड—5 मध्यकालीन दर्शन

- इकाई—1 एन्सलेन
- इकाई—2 एक्विनास
- इकाई—3 अगस्टाइन

खण्ड—6 बुद्धिवाद और अनुभववाद

- इकाई—1 द्रव्य की समस्या
- इकाई—2 मन और शरीर संबंध की समस्या

इकाई—3 ज्ञान की उत्तपत्ति एवं सीमा

इकाई—4 सत्ता दृष्यता है

इकाई—5 कारणता की समस्या

खण्ड—7 काण्ट एवं हेगल

इकाई—1 आलोचना

इकाई—2 देश—काल

इकाई—3 बुद्धि की कोटियां

इकाई—4 संश्लेषणात्मक— प्रागुनुभाविक निर्णय

इकाई—5 द्वन्द्व न्याय

इकाई—6 निरपेक्ष प्रत्ययवाद

MAPH-03

शंकराचार्य का दर्शन

खण्ड-01 अद्वैत वेदान्त का अर्थ, उद्भव एवं विकास

- इकाई-1 अद्वैत वेदांत का अर्थ
- इकाई-2 अद्वैत वेदांत का उद्भव
- इकाई-3 अद्वैत वेदांत का क्रमिक विकास
- इकाई-4 शंकराचार्य का जीवन एवं दर्शन

खण्ड-2 शंकराचार्य के पूर्ववर्ती

- इकाई-1 गौड़पादाचार्य का अजातिवाद
- इकाई-2 आजातिवाद का शंकर पर प्रभाव
- इकाई-3 अद्वैत वेदांत की सामान्य विशेषताएं

खण्ड-3 चतुः सूची भाष्य

- इकाई-1 अथातो ब्रह्मजिज्ञासा
- इकाई-2 जन्माद्यस्य यतः — भाष्य
- इकाई-3 शास्त्रयोनित्वात्— भाष्य
- इकाई-4 समन्वय भाष्य

खण्ड-4 शंकराचार्य में तर्क की भूमिका

- इकाई-1 ब्रह्म की सत्यता
- इकाई-2 जगत का मिथ्यात्व
- इकाई-3 तर्क का अनुभव, तर्क एवं श्रुति
- इकाई-4 अपरोक्षानुभूति

खण्ड-5 अन्य सम्प्रदायों की समीक्षा

- इकाई-1 सांख्य की आलोचना
- इकाई-2 वैशेषिक की आलोचना
- इकाई-3 सर्वास्तिवाद की आलोचना
- इकाई-4 योगाचार की आलोचना
- इकाई-5 माधमिक की आलोचना
- इकाई-6 जैन की आलोचना

खण्ड-6 माया एवं मोक्ष

- इकाई-1 माया सिद्धान्त ख्यातिवाद
- इकाई-2 रामानुज द्वारा माया का खण्डन
- इकाई-3 मोक्ष एवं मोक्ष मार्ग
- इकाई-4 क्या शंकर को प्रछन्न बौद्ध कहना उचित है

MAPH-04 अधिनीति शास्त्र

खण्ड-01 अधि नीतिशास्त्र का स्वरूप और क्षेत्र

- इकाई-1 अधिनीतिशास्त्र की परिभाषा
- इकाई-2 अधिनीतिशास्त्र और मानकीय नीतिशास्त्र
- इकाई-3 अधिनीतिशास्त्र की मूल समस्याएं
- इकाई-4 अधि- नैतिक सिद्धान्तों का वर्गीकरण

खण्ड-2 प्रकृतिवाद

- इकाई-1 आधाभूत मान्यताएं
- इकाई-2 व्यक्तिनिष्ठ प्रकृतिवाद का स्वरूप और उसके प्रमुख समर्थक
- इकाई-3 व्यक्तिनिष्ठ प्रकृतिवाद का मुख्य समस्याएं
- इकाई-4 वस्तुनिष्ठ प्रकृतिवाद का स्वरूप और उसके प्रमुख समर्थक

खण्ड-3 निप्रकृतिवाद

- इकाई-1 आधारभूत मान्यताएं
- इकाई-2 जी0ई0 मूर
- इकाई-3 एच0ए0 प्रिचर्ड
- इकाई-4 डब्लू डी0रास

खण्ड-4 अलौकिक या अतीन्द्रिय सत्ता सम्बन्धी सिद्धान्त

- इकाई-1 आधारभूत मान्यताएं
- इकाई-2 धर्मशास्त्रीय सिद्धान्त
- इकाई-3 तत्वमीमांसीय सिद्धान्त
- इकाई-4 नव्य प्रकृतिवाद

खण्ड-5 संवेगवाद

- इकाई-1 आधारभूत मान्यताएं
- इकाई-2 उदय और विकास
- इकाई-3 रुडोल्फ कार्नेप
- इकाई-4 ए0जे0 एयर
- इकाई-5 सी0एल0 स्टीवैन्सन
- इकाई-6 पाल ऐडवर्ड्स

खण्ड-6 परामर्शवाद

- इकाई-1 आधारभूत मान्यताएं
- इकाई-2 आर0एम0 हेयर
- इकाई-3 पी0एच0 नावल स्मिथ

खण्ड-7 उचित तर्क सम्बन्धी सिद्धान्त

- इकाई-1 आधारभूत मान्यताएं
- इकाई-2 ई0 एस0 टूलमिन
- इकाई-3 कर्ट बेयर

खण्ड-8 तथ्यात्मक कथनों से नैतिक निर्णयों के निगमन की समस्या

- इकाई-1 पृष्ठभूमि
- इकाई-2 जी0 हंटर
- इकाई-3 ए0सी0 मैकिन्टायर
- इकाई-4 जे0आर0 सर्ल

MAPH-05

समकालीन भारतीय दर्शन

खण्ड-01 विवेकानन्द

- इकाई-1 व्यावहारिक वेदान्त का सामान्य परिचय
- इकाई-2 तत्व मीमांसा
- इकाई-3 भक्ति योग
- इकाई-4 ज्ञान योग
- इकाई-5 राज योग
- इकाई-6 व्यवहारिक वेदांत की प्रासंगिकता

खण्ड-2 श्री अरविंद

- इकाई-1 विकासवाद
- इकाई-2 अतिमानस
- इकाई-3 सच्चिदानन्द
- इकाई-4 समग्रयोग

खण्ड-3 सर्वपल्ली राधाकृष्णन

- इकाई-1 प्राकृतिक निरीष्परवाद का खण्डन
- इकाई-2 अज्ञेयवाद का खण्डन
- इकाई-3 संषयवाद का खण्डन
- इकाई-4 अध्यात्मिक मानवतावाद
- इकाई-5 विश्व का स्वरूप

खण्ड-4 जे० कृष्णमूर्ति

- इकाई-1 अस्तित्व परक चिन्तन की अपेक्षाएं
- इकाई-2 जीवन के प्रति आदर्श दृष्टिकोण
- इकाई-3 बुद्धि की सीमाएं

खण्ड-5 कृष्णचंद भट्टाचार्य

- इकाई-1 दर्शन का स्वरूप
- इकाई-2 विषयिता का सिद्धान्त
- इकाई-3 स्वतंत्रता का क्रमिक अनुभूति

खण्ड-6 देवी प्रसाद चट्टोपाध्याय

- इकाई-1 दर्शन का स्वरूप
- इकाई-2 अनीष्परवाद
- इकाई-3 लोकायत भौतिकवाद

खण्ड-7 मुहम्मद इकबाल

- इकाई-1 सर्वेश्वरवाद का खण्डन
- इकाई-2 जगत
- इकाई-3 ईश्वर

खण्ड-8 महात्मा गांधी

- इकाई-1 ईश्वर का स्वरूप
- इकाई-2 सर्वधर्म समभाव
- इकाई-3 एकादश व्रत
- इकाई-4 सर्वोदय
- इकाई-5 गांधी के धार्मिक विचार

MAPH-06 धर्म दर्शन

खण्ड-01 धर्म, धर्म मीमांसा, धर्म दर्शन

- इकाई-1 धर्मदर्शन की परिभाषा एवं स्वरूप
- इकाई-2 धर्म और आचारशास्त्र
- इकाई-3 धर्म और विज्ञान का सम्बन्ध

खण्ड-2 धर्म का आधार

- इकाई-1 आस्था
- इकाई-2 तर्क
- इकाई-3 दैवी प्रकाशना
- इकाई-4 रहस्यानुभूति

खण्ड-3 ईश्वर विषयक चिन्तन

- इकाई-1 निमित्तेश्वरवाद
- इकाई-2 पुरुषोत्तमवाद
- इकाई-3 सर्वेश्वरवाद
- इकाई-4 ईश्वरवाद

खण्ड-4 ईश्वर के अस्तित्व सम्बन्धी प्रमाण

- इकाई-1 सत्ता मूलक युक्ति
- इकाई-2 विश्वमूलक युक्ति
- इकाई-3 प्रयोजनमूलक युक्ति
- इकाई-4 नैतिक युक्ति
- इकाई-5 धार्मिक अनुभूति सम्बन्धी युक्ति

खण्ड-5 ईश्वर के गुण

- इकाई-1 व्यक्तित्व पूर्णता
- इकाई-2 नित्यता
- इकाई-3 सर्वज्ञता
- इकाई-4 सर्वशक्तिमत्ता
- इकाई-5 ईश्वर का सृष्टिकर्तृत्व

खण्ड-6 ईश्वरवाद में अशुभ की समस्या

- इकाई-1 अशुभ क्या है? अशुभ के प्रकार का अस्तित्व है?
- इकाई-2 नैतिक एवं धार्मिक अशुभ
- इकाई-3 अशुभ की समस्या के समाधान

खण्ड-7 अमरता की अवधारणा

- इकाई-1 अमरता का स्वरूप
- इकाई-2 अमरता के प्रकार
- इकाई-3 अमरता के पक्ष एवं विपक्ष में मत
- इकाई-4 शारीरिक अमरता का विचार

खण्ड-8 धार्मिक भाषा

- इकाई-1 संज्ञानात्मक सिद्धान्त
- इकाई-2 असंज्ञानात्मक सिद्धान्त
- इकाई-3 अर्द्धसंज्ञानात्मक एक्विनास
- इकाई-4 अर्द्धसंज्ञानात्मक- पालतिलिक

MAPH-07 अद्वैत वेदान्त

खण्ड-01 शांकर अद्वैत वेदान्त

- इकाई-1 शंकराचार्य
- इकाई-2 अद्वैत वेदान्त में पूर्व दर्शनों के विभिन्न मतों का तर्क द्वारा खण्डन
- इकाई-3 ईश्वर के केवल निमित्तकारणत्व का खण्डन
- इकाई-4 भागवत मत का खण्डन

खण्ड-2 ब्रह्मसूत्र

- इकाई-1 ग्रन्थ विभाग वाचस्पति मिश्र
- इकाई-2 ब्रह्मसूत्र का अर्थ
- इकाई-3 जन्माद्याधिकरण
- इकाई-4 शास्त्रयोनित्वाधिकरण
- इकाई-5 समन्वयाधिकरण

खण्ड-3 चित्सुखाचार्य

- इकाई-1 जीवन-वृत्त रचनाएँ
- इकाई-2 त्वप्रदीपिका स्वप्रकाशता का निरूपण
- इकाई-3 आत्मा के स्वप्रकाश्यत्व के तीन अनिवार्य हेतु
- इकाई-4 मिथ्यात्व - निरूपण
- इकाई-5 अविधा का लक्षण

खण्ड-4 अद्वैत वेदान्त में तर्क की भूमिका

- इकाई-1 ब्रह्म की सत्यता
- इकाई-2 जगत का मिथ्यात्व
- इकाई-3 अद्वैत वेदान्त में तर्क का अर्थ
- इकाई-4 तर्क का वास्तविक अर्थ
- इकाई-5 पूर्वपक्ष उत्तरपक्ष

खण्ड-5 अनुभव, तर्क, श्रुति एवं अपरोक्षानुभूति (प्रमाण्य)

- इकाई-1 ज्ञान और कर्म
- इकाई-2 अनुभव, तर्क एवं श्रुति
- इकाई-3 तर्क की निन्दा एवं स्तुति
- इकाई-4 अपरोक्षानुभूति

खण्ड-6 माया एवं मोक्ष

- इकाई-1 अध्यास-भाष्य का महत्व
- इकाई-2 मायावाद का मूल स्रोत
- इकाई-3 मायावाद की स्थापना
- इकाई-4 रामानुजाचार्य द्वारा मायावाद का खण्डन
- इकाई-5 मोक्ष मार्ग

MAPH-08

बौद्ध दर्शन

खण्ड-01 मूल बौद्ध दर्शन

- इकाई-1 चार आर्य सत्य एवं आर्य अष्टांग मार्ग
- इकाई-2 प्रतीत्यसमुत्पाद
- इकाई-3 तिलक्षण- अनित्य, दुःख, अनात्म
- इकाई-4 निर्वाण

खण्ड-02 बौद्ध दर्शन का विकास

- इकाई-1 वैभाषिक मत का परिचय एवं साहित्य
- इकाई-2 सौत्रान्तिक मत का परिचय एवं साहित्य
- इकाई-3 योगाचार मत का परिचय एवं साहित्य
- इकाई-4 माध्यमिक मत का परिचय एवं साहित्य

खण्ड-3 हीनयान दर्शन

- इकाई-1 हीनयान और महायान
- इकाई-2 क्षणभंगवाद
- इकाई-3 हीनयान दर्शन में निर्वाण
- इकाई-4 वैभाषिक सौतान्त्रिक मतभेद

खण्ड-4 शून्यवाद या माध्यमिक दर्शन

- इकाई-1 महायान सूत्र
- इकाई-2 शून्यवादी का तर्क और दर्शन
- इकाई-3 दार्शनिक मतों का प्रत्यास्थान
- इकाई-4 द्वन्द्वात्मक तर्क
- इकाई-5 शून्यता का स्वरूप
- इकाई-6 अजातिवाद

खण्ड-5 योगाचार या विज्ञानवाद दर्शन

- इकाई-1 वस्तुवाद का खण्डन एवं विज्ञानवाद का मण्डन
- इकाई-2 विज्ञान परिणाम : आलय विज्ञान, प्रवृत्ति विज्ञान, क्लिष्ट मनोविज्ञान
- इकाई-3 त्रिस्वभाव
- इकाई-4 निर्वाण

खण्ड-6 स्वतंत्र विज्ञानवाद या सौतान्त्रिक योगाचार दर्शन

- इकाई-1 प्रमाण
- इकाई-2 क्षणभंगवाद
- इकाई-3 ब्राह्म्यार्थ खण्डन और विज्ञानवाद का खण्डन
- इकाई-4 अपोहवाद के खण्डन का खण्डन
- इकाई-5 अन्य मतों का खण्डन

MAPH-09

समकालीन पाश्चात्य दर्शन

खण्ड-01 जी० ई० मूर

- इकाई-1 प्रत्ययवाद का खण्डन
- इकाई-2 मूर का सामान्यज्ञान समर्थन
- इकाई-3 इन्द्रिय प्रदत्त दर्शन

खण्ड-2 बर्ट्रैंड रसेल

- इकाई-1 साक्षात् परिचय ज्ञान एवं वर्णानात्मक ज्ञान
- इकाई-2 वर्णन सिद्धान्त
- इकाई-3 तार्किक सिद्धान्त
- इकाई-4 तार्किक परमाणुवाद

खण्ड-3 तार्किक भाववाद

- इकाई-1 विएना सर्किल में विकसित तार्किक भाववाद
- इकाई-2 सत्यापन सिद्धान्त
- इकाई-3 तत्वमीमांसा का निरसन
- इकाई-4 दर्शन का कार्य

खण्ड-4 लुडविग विगेन्सटीन

- इकाई-1 जगत तथ्य तथा विषय
- इकाई-2 प्रतिज्ञप्तियों का चित्रण सिद्धान्त
- इकाई-3 अर्थ का प्रयोग सिद्धान्त
- इकाई-4 भाषाई खेल

खण्ड-5 हुसरल

- इकाई-1 संवृत्ति शास्त्र का सिद्धान्त
- इकाई-2 प्रकृतिवाद एवं मनोविज्ञान की आलोचना
- इकाई-3 अपचयन का सिद्धान्त शुद्ध चेतना
- इकाई-4 इपारवे एवं अपचयन विषयावषी चेतना

खण्ड-6 किर्केगार्ड

- इकाई-1 सामान्य परिचय
- इकाई-2 सत्य की आत्मनिष्ठता
- इकाई-3 अस्तित्व की तीन अवस्थाएं
- इकाई-4 सौन्दर्यात्मक अवस्था
- इकाई-5 नैतिक अवस्था
- इकाई-6 धार्मिक अवस्था

खण्ड-7 ज्यां पाल सार्त्र

- इकाई-1 नास्तिक अस्तित्ववाद
- इकाई-2 अस्तित्व एवं सार का सम्बन्ध
- इकाई-3 स्वतंत्रता एवं उत्तर दायित्व
- इकाई-4 दुरास्था
- इकाई-5 अस्तित्ववाद एवं मानववाद

MAPH-10

प्रतीकात्मक तर्कशास्त्र

खण्ड-01 तर्कशास्त्र एवं उसका विषय क्षेत्र

- इकाई-1 तर्कशास्त्र का स्वरूप एवं विषय क्षेत्र
- इकाई-2 युक्ति का स्वरूप
- इकाई-3 सत्यता और वैधता
- इकाई-4 निगमनात्मक और आगमनात्मक तर्कशास्त्र में अन्तर

खण्ड-2 प्रतिज्ञप्ति के प्रकार

- इकाई-1 सरल एवं मिश्र वाक्य
- इकाई-2 मिश्र वाक्य के प्रकार
- इकाई-3 युक्ति और युक्ति आकार
- इकाई-4 वाक्य और वाक्याकार

खण्ड-3 निगमन की विधि

- इकाई-1 वैधता का आकारगत प्रयोग
- इकाई-2 अवैधता का प्रमाण
- इकाई-3 सोपाधिक प्रमाण के नियम
- इकाई-4 परोक्ष प्रमाण की विधि
- इकाई-5 पुनर्कथन के प्रमाण
- इकाई-6 सोपाधिक प्रमाण का दृढ़ नियम

खण्ड-4 परिमाणक सिद्धान्त

- इकाई-1 एकवचनात्मक और सामान्य तर्कवाक्य
- इकाई-2 वैधता प्रमाणित करना: परिमाणन के प्रारम्भिक नियम
- इकाई-3 गुणित सामान्य तर्कवाक्य
- इकाई-4 गुणित सामान्य तर्कवाक्य
- इकाई-5 परिमाणन का नियम
- इकाई-6 वैधता का संक्षिप्त प्रमाण

खण्ड -5 सम्बन्धात्मक तर्कशास्त्र

- इकाई-1 सम्बन्धों का प्रतीकीकरण
- इकाई-2 सम्बन्धात्मक युक्तियां
- इकाई-3 सम्बन्धों की कुछ विशेषताएं
- इकाई-4 तादात्म्य और निश्चित वर्णन
- इकाई-5 विधेयात्मक चर और गुणों का गुण

खण्ड-6 सामान्य आकार एवं बूलीय विस्तारण

- इकाई-1 बूलीय सामान्य आकार
- इकाई-2 बियोजनात्मक बूलीय विस्तारण विधि से वैधता की जांच
- इकाई-3 संयोजनात्मक बूलीय विस्तारण विधि से वैधता की जांच

MAPH-11 काण्ट का दर्शन

खण्ड-01 काण्ट के दर्शन की सामान्य रूपरेखा

- इकाई-1 काण्ट की समस्या
- इकाई-2 कापरनिक्सीय क्रान्ति
- इकाई-3 काण्ट की आलोचनात्मक पद्धति
- इकाई-4 निर्णयों का वर्गीकरण- संश्लेषणात्मक प्राग्नुभविक
- इकाई-5 ज्ञान की संभावना

खण्ड-2 अनुभवातीत संवेदनशास्त्र

- इकाई-1 देश व काल का तात्त्विक निगमन
- इकाई-2 देश व काल का अनुभवातीत निगमन
- इकाई-3 देश व काल की इन्द्रियानुभविक वास्तविकता तथा पारमार्थिक प्रत्ययात्मकता

खण्ड-3 अनुभवातीत तर्कशास्त्र

- इकाई-1 अनुभवातीत तर्कशास्त्र का स्वरूप
- इकाई-2 अनुभवातीत ज्ञान तथा उसका अनुभवातीत प्रयोग
- इकाई-3 अनुभवातीत तर्कशास्त्र का विभाजन
- इकाई-4 अनुभवातीत विश्लेषकी

खण्ड-4 बुद्धिविकल्पों का तात्त्विक निगमन

- इकाई-1 संप्रत्ययों का तात्त्विक निगमन
- इकाई-2 बुद्धि विकल्पों एवं निर्णयों के प्रकार
- इकाई-3 बुद्धि विकल्पों का अनुभवातीत निगमन

खण्ड-5 सिद्धान्तों की विश्लेषकी

- इकाई-1 अकारायण
- इकाई-2 तर्कबुद्धि के सिद्धान्त
- इकाई-3 विज्ञानवाद का खण्डन

खण्ड-6 संवृत्ति तथा परमार्थ

- इकाई-1 संवृत्ति तथा परमार्थ का भेद
- इकाई-2 अनुभवातीत द्वन्द्व न्याय
- इकाई-3 भ्रान्ति का तर्कशास्त्र
- इकाई-4 अतीन्द्रिय मनोविज्ञान का तर्कभाष
- इकाई-5 अतीन्द्रिय सृष्टिशास्त्र का विप्रतिषेध
- इकाई-6 ईश्वर विषयक युक्तियों का खण्डन

खण्ड-7 काण्ट का नीतिशास्त्र

- इकाई-1 सदिच्छा का स्वरूप
- इकाई-2 निरपेक्ष आदेश
- इकाई-3 नैतिकता की पूर्व मान्यताएं

MAPH-12 गांधी का दर्शन

खण्ड-01 गांधी का परिचय

- इकाई-1 भूमिका
- इकाई-2 भारत में सत्याग्रह
- इकाई-3 आजादी का संघर्ष
- इकाई-4 हिन्द स्वराज की प्रासंगिकता

खण्ड-2 सत्याग्रह की परिकल्पना

- इकाई-1 सत्याग्रह का अर्थ और उत्पत्ति
- इकाई-2 सत्याग्रह और निष्क्रिय प्रतिरोध
- इकाई-3 सत्याग्रह के व्रत

खण्ड-3 अहिंसा

- इकाई-1 सत्य और अहिंसा
- इकाई-2 गांधी व टालस्टाय
- इकाई-3 हिंसा बनाम अहिंसा

खण्ड-4 सर्वोदय

- इकाई-1 अर्थ एवं उत्पत्ति
- इकाई-2 साध्य साधन
- इकाई-3 सामाजिक व्यवस्था
- इकाई-4 राजनैतिक व्यवस्था
- इकाई-5 आर्थिक व्यवस्था
- इकाई-6 साम्यवाद, समाजवाद एवं सर्वोदय

खण्ड-5 स्वदेशी

- इकाई-1 स्वदेशी की अवधारणा
- इकाई-2 स्वदेशी एवं कुटिर उद्योग
- इकाई-3 स्वराज की अवधारणा

खण्ड-6 ट्रस्टीशिप

- इकाई-1 अर्थशास्त्र का नैतिक व अध्यात्मिक सिद्धान्त
- इकाई-2 ट्रस्टीशिप का आधार
- इकाई-3 विश्वास (ट्रस्ट की प्रकृति)
- इकाई-4 ट्रस्टीशिप सिद्धान्त की समीक्षा

खण्ड-7 गांधी तथा समाज

- इकाई-1 साम्प्रदायिक एकता
- इकाई-2 अस्पृश्यता उन्मूलन
- इकाई-3 महिला समानता
- इकाई-4 गांधी के रचनात्मक कार्य

खण्ड-8 महात्मा गांधी की प्रासंगिकता कार्य

- इकाई-1 नैतिकता की श्रेष्ठता
- इकाई-2 वास्तविक लोकतंत्र
- इकाई-3 पुरुषार्थ की व्याख्या
- इकाई-4 वैष्ठीकरण में महत्व